imma™

Grehshobha

Jyoti Menon

Date: 31-03-2009 | Edition: Delhi | Page: 57 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 19 H: 27

Clip: 1 of 1

मानव संबंधों को जानने का जनून है मुझे

ज्योति मेनन

सबकुछ जानने की ललक ने ही ज्योति को औरों से भिन्न बनाया है, जिस पर उन्हें गर्व है...

ज्योति के नाम से लोकप्रिय ज्योति मेनन लोगों के बीच मानवीय संबंधों के प्रति जनून के कारण जानी जाती हैं. पुणे के डी वाई पाटिल कालेज से इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बाद उन का रुझान ह्यूमन रिलेशनशिप की ओर हुआ. चार्टर्ड बैंक की वरिष्ठ उपाध्यक्षा और एच आर प्रमुख ज्योति ने विभिन्न नेतृत्व वाली भूमिकाओं को निभाते हुए अपना लेखन कार्य भी जारी रखा. अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनर, कार्यकारी कोच और परिवर्तन विशेषज्ञ बाबी मेनन से विवाह करने वाली ज्योति ने 2006 में इंदिरा सुपर अचीवर अवार्ड फार एक्सीलेंस इन एचआर जीता था. पेश हैं, उन से की गई बातचीत के कुछ खास अंश :

यह एक आम धारणा है कि औरतों के लिए कारपोरेट सेक्टर में ऊंचाइयों की सीढ़ियां चढ़ना आसान नहीं होता. आप ने सीनियर वाइस प्रेसीडेंट बनने तक के सफर में क्या दिक्कतें अनुभव कीं? क्या लोगों को समझाने में आप को ज्यादा मेहनत करनी पड़ी कि आप अपने सहयोगियों से कम नहीं?

"नहीं, ऐसी कोई विशेष बात मेरे साथ नहीं हुई. मेरा यह मानना है कि किसी भी क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का उपयोग किए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता है. जिस तरह मैं अपने अनुशासन और अपनी उन्नति के लिए तीव्र इच्छा के कारण अपने कार्यक्षेत्र के लक्ष्य के प्रति समर्पित रही उसी तरह कारपोरेट वर्ल्ड में ऐसी बहुत सी महिलाओं के उदाहरण हैं जैसे इंदिरा नूयी, चंदा कोचर, किरण मजूमदार शा, विनिता बाली इत्यादि जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र की ऊंचाइयों के शिखर को छुआ है."

दिल की आवाज

आप 15 साल से एचआर फील्ड में हैं. यह बताइए कि क्या इस समय किसी एक नौकरी के प्रति लोगों का ज्यादा रुझान बढ़ा है? उदाहरण के लिए 15 साल पहले मीडिया का क्षेत्र ज्यादा पापुलर नहीं था किंतु आज बहुत से लोग इस में कैरियर बनाना चाहते हैं?

"देखिए, बदलते हालात के साथ एचआर फील्ड अपनेआप में ही बहुत बदला है. पहले जहां यह ट्रांससेक्शनल रोल में था अब यह ट्रांसफार्मेशनल रोल में है. खासतौर पर मंदी के इस दौर में देखा जा रहा है कि ऐसा व्यक्ति, जो संस्थान के लाभ को बढ़ाने में कोई रोल न निभाए, उस की बहुत जल्दी अहमियत संस्थान के लिए खत्म हो जाती है. मैं मानती हूं कि एक योग्य एचआर प्रोफेशनल वर्क फोर्स को प्रेरित करने के साथसाथ यह भी सुनिश्चित करता है कि वह अपने कार्यक्षेत्र में अपनी क्षमता से बढ़ कर योगदान दे. आज एक अच्छे योग्य एचआर लीडर का रोल ट्रांसफार्मेशनल हो गया है. काफी लोग, जो लीडरशिप रोल लेना चाहते हैं वे एचआर फील्ड में अपना कैरियर बनाते हैं, क्योंकि एचआर उन को इस के लिए एक प्लेटफार्म देता है. काफी लोग एचआर फील्ड में आ रहे हैं, जबकि पिछले 10 सालों में ऐसा नहीं था. इस बदलाव के कारण काफी लोग अपने दिल की आवाज पर अपना कैरियर चुन कर उसे रोमांचपूर्ण बना रहे हैं. अब एचआर का संसार एक ढर्रे पर चलने वाला नहीं रहा."

क्या आप ऐसा कोई रोचक उदाहरण दे सकती हैं, जिस ने अपने दिल की आवाज पर अपना कार्यक्षेत्र चुना है?

"जी हां, फिल्म अभिनेता के.के. मेनन इस का बहुत अच्छा उदाहरण हैं. वह एक क्वालिफाइड चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं. लेकिन उन्होंने अपने अंदर के एक्टर की आवाज को सुन कर चार्टर्ड अकाउंटेंट का क्षेत्र